

DPN 6188

Title : त्रिपुरासुरवध नाटक / *Tripurāsuravadhanāṭaka*

Run. No. 6879

Cat. No.

Micro. No.

Subject

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.- New. / ☒ Maith.- New. / ☒ New.- Nep. /

Size in cms. 22 × 8.5

Folios 19

Lines (in a page) 7/6 irregular

Compl. / ☒ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☒ thyasaphu /

Condition : ☒ fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon : अथ त्रिपुरासुरवधनाटकं लिखिते ॥ ११ ॥
Atha tripurāsuravadhanāṭakam likhite ॥ ११ ॥ श्लोक ॥

On the margin : Rudra vi (Rudravijaya)

ॐ कुरुमहि वर विजय ३ धीशिरनिवास
मासीसा ॥ केलासगह मित्रिजार्द्धदह गंगा कुरुली सत्रलाकमली यमीतुवर्ग मित्रिक
शत्रुगं नमामिदवै रुतयुवदवै ॥ स्वाततिभक्ष ॥ नमामिचलिकाकार्क काकार्कितन
क्षत्रिणी वलुकार्कयै ४ कार्क नतिका नकुतानर्क ॥ ॥ धीनिवासादयावासा वासवयतिम
पुष्टशराऊराऊसमानधी ४ राऊतं राऊचलुमाथा ॥ नगयंसा १ मयंतस्य रुनिनालालितायत्री
राऊतं वागमीकुला ॥ दूरादूत्रगदूर्कना ॥ ॥

15

10

पुस्तक-॥२॥

॥ ॥ म ॥ ॥ दानी जी जी जा शिवरु ला क श्व रं यु ल मा मि ॥ ॥ ॥ त वृक्ष वृक्ष म र्का
 शी वृक्ष विष्णु शिव र्का ॥ पुत्री रं विष्णु ला ती रं म स्या लुं यु ल मा म् ॥ ॥ न ता दृशी
 धी धी म स्या लुं नार्थ यु ल मा मि ॥ ॥ ॥ म ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि वृ ध न्य रं ल लित ता यु त्री
 नाम न ग त्री ॥ ॥ सि वृ ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र कि म र्थ आ इति दि ॥ ॥ ॥ अ यि सि वृ
 अ र्क क थ या मि ल म व श्व त्र य ॥ ॥ ॥ म ॥ ॥ ॥ ग ॥ ॥ स त्र त्रा ड य त्री पु त्रि ता न ग त्री
 ल लित ता यु ति मा यु ति रा स म र्ता ॥ ॥ ह र ह स्या ग ता सु न दी ति क र्ता म मि म धु य
 री म यु ता गु धु र ॥ ॥ अ यि सि वृ न ता दृशी ल लित ता यु त्री नाम न ग त्री लै दानी

२

5

दि ॥ ॥ सि वृ ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र म ल म व ॥ ॥ सि वृ ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र अ स्या न ग र्थि काः
 नाम त्रा ड वि त्रा ड त ॥ ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि वृ ॥ ॥ अ र्क क थ या मि ल म व श्व त्र य ॥ ॥
 म ॥ ॥ ॥ म ॥ ॥ मा ता त्रा ड श्व त्री द वी धी म र्दी लु स्या र्क य त श म शी सि वि नृ मि र्क स्या
 क ल दी या वि त्रा ड त ॥ ॥ अ यि सि वृ ॥ ॥ न ता दृशी त्र वि कृ त ति त्र क र्क नु म ध्व ड शी
 धी नृ मि र्क म ल नृ य ति कृ त दी य त्रा ड श्व त्री द वी यु त्र म दा त्रा ड वि त्रा ड म र्का
 यु ता यी धी २ म र्दी लु म ल नृ य ति दानी दि ॥ ॥ ॥ सि वृ ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र म ल म व ॥
 ह ग र्वा श्व त्र अ सि न ल लित ता यु त्री न ग र्थि ला का ती म र्का त्रा व ४ अ नृ मी य त क
 त्र न क थ र्ता ॥ ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि वृ ॥ ॥ धी धी म र्दी लु म ल स्या र्क य ति दानी वि त्रा ड त

0

CMS

5

10

15

20

25

15

२३ दि. ॥ ३॥

धनामनाठकं नवीनरुशगिज्जकमवप्रथकावसा न लाकारं महांसुवा ऊः
 यमं ॥ ॥ सि. वृ. ॥ रुगनं स्वत्रियुवा सुत्रवधनामनाठको नूकमनिकीमयान
 सुशयनं कथं नजुचितं योज्यानाह जानवद ॥ ॥ ग. ॥ अथि. सि. वृ. ॥ गियुवा सुत्र
 वधनामनाठको नूकमनिकी कथयसि लमेव क्षत्रय ॥ ॥ सि. वृ. ॥ रुगनं स्व
 रजानवद ॥ ॥ म. ॥ कावनर ॥ ॥ ग. ॥ पूर्वदेवतयसुता विधिवत्रो लेवुसि सुनी
 यूनी. निर्मागं सुत्रदेवयुद्धममुले. देवसा ३४ स्वयं कं। विद्युन्मा लिवधध्रुनात्र
 कवक्ष दाह। सि. वृ. ॥ यूनी. कुर्युयुवदाहनामनाठनस्या नूकमो रं मग ॥

३

10

5

अथि. सि. वृ. ॥ गियुवा सुत्रवधनामनाठको नूकमनिकी जानीदि ॥ ॥ सि. वृ. ॥ रुग ३ म
 लमव ॥ ॥ ग. ॥ अथि. सि. वृ. ॥ अलमति विस्त्रय मदा वाडा विराड. ३१ मदीनु
 मल्लरुयतिनास नानु रं कनार्थ गियुवा सुत्रवधनामनाठकी कियनं तद्वि
 लार्थगिवावश ॥ ॥ सि. वृ. ॥ रुग ३ अथस्यभवगवाव ॥ ॥ इवका. ड. ॥ ख. सि.
 वृ. ॥ रुग ३ सिधुभवगमाती ॥ ॥ ग. ॥ अथि. सि. वृ. ॥ अथस्यभवगवाव ॥ ॥
 रु. सि. वृ. ॥ वी ॥ ॥ ॥ ॥ यथंगवुष्मा साविनी. वेपुर्वरुधु ॥ ॥ म. कुर्या ॥ ॥ ड
 दाहगधर्वदवी. एनर्गवृष रध्वडी। नमामि गि विडा कार्क. शनकर्म मयल

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

२३२ वि॥ ७

सि ३

नर्क ॥ ॥ म ॥ व ॥ दयि य सा वि नी च दुर्वै उ अ मा त व च न सु ना ॥ ॥ सा य दु य ॥ द
 सु त क क व द्रा आ क क ॥ ॥ व ॥ ॥ य सो ता नी च दुर्वै उ य सा डा ता यि डा क
 ॥ य सा यि या च सा वि नी ॥ सा दं व द्रा स मा ग त ॥ न ता द श मे लो क त स र्क क ल
 व द्रा ना म अ मी ॥ ॥ सा य ॥ स ल ॥ ॥ सा ॥ द सा मि व द्रा अ मा त व च न अ व क्ष न
 क ॥ ॥ द यि ॥ सा ॥ क द ॥ ॥ सा ॥ ॥ सा वि नी क ग ता क्ष नी य वि व ता य रा
 य ॥ वि व लो क व वि र गा ता सा ग ता त व त ल ता ॥ न ता द शी अ मा त अ ल न य
 न म यि या सा वि नी ना म अ मी ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ सा ॥ स ल ॥ ॥ अ व द य ॥ द यि ना
 म द व द्रा अ मा त व च न अ व क्ष न क ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ द क द ॥ ॥ मृ ॥ ॥

४

5

॥ व द्रा ना मा दि रु ता मि रु व दी य मु खो रु व श या स न मु नि ना या क ॥ मृ ॥ द द र
 मा ग त ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ मृ ॥ द स ल ॥ ॥ य य द य ॥ द यि ना अ मा त व च न सु ना
 ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ द क द ॥ ॥ य ॥ ॥ य सो ता नी च दुर्वै उ य सा डा ता यि डा क
 य सा य द क थ र द य ॥ य य द द र मा ग त ॥ न ता द शी य य द न म अ मी ॥ ॥ व ॥
 द य य २ स ल ॥ ॥ सो ॥ द यि ना अ मा त व च न सु ना ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ द क द ॥ ॥
 सा ॥ ॥ य डा य मि मु खो रु स र ता रु व ता र क श सा म व द ॥ द यि ना व द र
 व डि ना म लि ॥ न ता द शी सा म व द ना म अ मी ॥ ॥ व ॥ द यि ॥ स ल ॥ ॥ अ ॥ द

0

CMS

5

10

15

20

25

यिता यजुमात्रतनजुवक्षनकभा ॥ वृ ॥ रुजुथर्वमकदा ॥ अ. लृ ॥ यसा
 वेतानल्लोमशा. उमगीकुन्दुनवरायतायसा नुदृष्टा. लृ ॥ इध्विनं दामा
 ॥ नतादृष्टीं अथर्वकं नमजुमी ॥ वृ ॥ रुजुथर्वमसत् ॥ चतुर्थदसनाः
 कनर्वी ॥ अ. ॥ दयितामदुवक्षो नखनजुमी स्तानाकनजायतायुमात्रतनम
 स्तत्र ॥ वृ ॥ रुमृथयुसामाथर्वकं सर्वथादाव ॥ अ. ॥ रुययुसामाथर्वकं
 नाकनजायतायता ॥ यसा. अ. ॥ रुमृथर्वकं सर्वथावला ॥ इवका. ता.
 ड ॥ यव. यसा. अ. ॥ रुमृथर्वकं सिद्धजायतायता ॥ अ. ॥ रुययुसामाथर्व
 दसर्वथावला ॥ वृ ॥ रुयिथमात्रिनीमय. विष्णुमाली. गात्रकोद. विरिदेह्यत्र

रुद्रवि. ॥ ५ ॥

अमाकजात्राधनाकेलातथावत्रदानदियजायतायता ॥ सा. ॥ रुस्वामिदुकाविड
 कभा ॥ अ. ॥ उवडतासा. ॥ खवसा. ॥ रुस्वामीयुक्तासिधुविडकभा ॥ वृ ॥ रु
 यि. सा. सर्वथावला ॥ लृ ॥ ॥ यवडाकुलु. सति. उयक. अग्नि. कम. व. नृ. वा
 यु. कवत्र. चतु. सूर्य. मातत्री. ॥ अ. ॥ नमामिकमलाकार्क. खगेराजध्वजद्वितीय
 ताम्रध्वजद्वै. वनमालिनमीध्वज ॥ अ. ॥ ॥ रुयिथगति. युक्कयक. अग्निः
 कम. व. नृ. वायुव. कवत्र. चतु. सूर्य. मातत्री. अमात्रवचनसूना ॥ सर्वथाद्वैत
 वाकुलुआसकभा ॥ अ. ॥ ॥ युत्रामजायेगिष्ठीमान्. सूत्रवाडा. मदावत्रहा
 गडावाडाधिपूक्षर. वासवः समूयागेवशा. नतादृष्टीसकनद्वै. लाकनजुधिय

15

10

5

15

पञ्चविंशति ॥ ३॥

निधेव त्राऊ कुरु नाम जमी ॥ सर्वेश्वर देव त्रा ३ मय ॥ ॥ स ॥ हस्वामी देव त्रा
 ऊ कुरु जमा त्र वचन जवक्षन कभा ॥ ॥ ॥ देवि ये सरी कदा ॥ ॥ ॥ ॥
 तव यि गो सरी सा हं सो व सा सा व त्रा जना ॥ या त्रि गो देव त्रा सा धी ॥ धन्या पुत्रा म
 लानना ॥ न ता दृष्टी गुमा त्र य त्र म यि या त्री शरी नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि ३ मय
 ॥ ॥ ॥ ॥ देवि ना देव त्रा ३ जमा त्र वचन जवक्षन कभा ॥ ॥ ॥ देवि युक्त य न कदा ॥
 जय ॥ तव युग्म महा वीर्य ॥ त्रिदश विद्या त्र क ४ जय न कति विद्या ता ॥ त्र विद्या
 य त्र न ॥ न ता दृष्टी त्र म महा वीर्य गुमा त्र युक्त य न क नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि युक्त २
 मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ २ जमा त्र वचन सभा ॥ ॥ ॥ देवि प्री कदा ॥ ॥ ॥ ॥

८

10

5

स्वाहा यत्नी यि या य म ॥ सर्वेश्वर देव त्रा ३ मय ॥ ॥ स ॥ हस्वामी देव त्रा
 ॥ न ता दृष्टी म महा वीर्य गुमा त्र युक्त य न क नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि प्री मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ
 कुरु जमा त्र वचन सभा ॥ ॥ ॥ देवि प्री त्रा ऊ कदा ॥ ॥ ॥ देवि युक्त त्र य दृष्ट
 ॥ या दृष्टी म महा वीर्य गुमा त्र युक्त य न क नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि प्री मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ
 मी ॥ देवि म महा वीर्य गुमा त्र युक्त य न क नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि प्री मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ
 जमा त्र वचन सभा ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ कदा ॥ ॥ ॥ देवि प्री मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ
 मी ॥ देवि म महा वीर्य गुमा त्र युक्त य न क नाम जमी ॥ ॥ ॥ देवि प्री मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ऊ
 यती व त्रा नाम जमी ॥ ॥ ॥ देव ॥ मय ॥ ॥ ॥ देव त्रा ३ जमा त्र वचन सभा

नाम २

0

CMS

5

10

15

20

25

[illegible]

राहुजुमात्रवधु॥ ॥६॥रुमात्रत्रीकहा॥ ॥मात्रा॥मात्रथीधर्मनियुनासा
वमानन्दसुन्दरशमाहमगुसमायाभा मात्रत्रिर्मूर्तिरिदिव॥ ॥मात्रा॥मात्राः
मात्रथीमात्रत्रीनामजुमी॥ ॥६॥रुमात्रत्रीसहा॥ ॥६॥रुयियगरीयूगु-
जुधवकचसुमात्रुखनसंसाकत्रिगुयुवीयला॥ ॥सर्व॥रुदवत्राड
नुत्रिडुकत्रो॥ ॥म॥ड॥कडलासी॥खव॥सर्व॥रुदवत्राड॥सियुविडुकत्रो॥
॥६॥रुयियगरीयूगुसकलदवलीकसर्वथायला॥ ॥ल॥॥युवगविडु
मोति॥शमियुसासुवाडमहावाड॥तात्रमकचनुमुखीअमाकमकत्राड॥ ॥
रिगि॥युवादीडगतामीडीचनुधनयंकडीनमापिशत्रसादवलाकगीः

15

२३३३-॥६॥

यद्गर्गं रवीं ॥ भ॥ वि॥ ह॥ यि॥ य॥ ग॥ शि॥ यु॥ रा॥ ता॥ त्र॥ का॥ क॥ च॥ लु॥ मू॥ खी॥ सु॥ वा॥ इ॥ म॥ हा॥ वा॥ इ॥
 धू॥ मा॥ क॥ म॥ क॥ रा॥ क॥ जू॥ मा॥ त्र॥ व॥ च॥ न॥ सु॥ भा॥ ॥ सर्व॥ ह॥ वि॥ शु॥ मा॥ ली॥ जू॥ मा॥ क॥ रा॥ ॥ वि॥
 ह॥ ॥ वि॥ शु॥ मा॥ ली॥ स॥ मा॥ या॥ भा॥ वि॥ शु॥ क॥ ड॥ स॥ म॥ य॥ रा॥ हा॥ दा॥ न॥ वा॥ त्र॥ र॥ दी॥ स॥ ना॥ वी॥ या॥ ली॥ स॥
 य॥ वा॥ क॥ म॥ ॥ न॥ ता॥ इ॥ हा॥ म॥ य॥ दे॥ हा॥ त्र॥ भ॥ ना॥ य॥ ती॥ वि॥ शु॥ मा॥ ली॥ ना॥ म॥ जू॥ मी॥ ॥ सर्व॥ ह॥ वि॥
 शु॥ स॥ ल॥ ॥ ॥ हा॥ ॥ ह॥ स्वा॥ मी॥ वि॥ शु॥ जू॥ मा॥ त्र॥ व॥ च॥ न॥ जू॥ व॥ धी॥ न॥ क॥ रा॥ ॥ वि॥ ॥ ह॥ यि॥ य॥ ग॥ इ॥
 क॥ हा॥ ॥ ॥ हा॥ ॥ सु॥ ॥ रा॥ व॥ दी॥ य॥ य॥ दा॥ हा॥ ड॥ स॥ व॥ ना॥ हा॥ क॥ मा॥ न॥ सा॥ भा॥ ह॥ न॥ व॥ यि॥ या॥ वा॥ ला॥
 ना॥ ला॥ खा॥ ता॥ हा॥ शि॥ यु॥ रा॥ न॥ ता॥ इ॥ हा॥ हा॥ जू॥ मा॥ त्र॥ जू॥ हा॥ क॥ य॥ त्र॥ म॥ यि॥ या॥ ती॥ हा॥ शि॥ यु॥ रा॥ ना॥ म॥
 जू॥ मी॥ ॥ वि॥ ॥ ह॥ ग॥ इ॥ स॥ ल॥ ॥ ॥ ता॥ ॥ ह॥ वि॥ शु॥ मा॥ ली॥ जू॥ मा॥ त्र॥ व॥ च॥ न॥ सु॥ भा॥ ॥ वि॥ ॥

८

10

5

॥ ॥ ता॥ त्र॥ का॥ क॥ म॥ हा॥ वी॥ भा॥ वी॥ या॥ ज॥ र्ग॥ द॥ र्ग॥ हा॥ त्र॥ क॥ हा॥ दे॥ हा॥ दा॥ न॥ व॥ मू॥ खी॥ ह॥ स॥ मा॥ या॥
 ना॥ त्र॥ वा॥ व॥ ली॥ ॥ न॥ ता॥ इ॥ हा॥ म॥ हा॥ वी॥ त्र॥ ता॥ त्र॥ क॥ ना॥ म॥ जू॥ मी॥ ॥ वि॥ ॥ ह॥ ता॥ त्र॥ का॥ क॥ स॥ ल॥
 ॥ ॥ सर्व॥ ह॥ ह॥ स्वा॥ मी॥ ता॥ त्र॥ का॥ क॥ जू॥ मा॥ त्र॥ व॥ च॥ न॥ जू॥ व॥ धी॥ न॥ क॥ रा॥ ॥ ता॥ ॥ ह॥ यि॥ य॥ ग॥ इ॥
 लु॥ मू॥ खी॥ क॥ हा॥ ॥ सर्व॥ ह॥ ॥ वा॥ त्र॥ व॥ र्ग॥ क॥ दे॥ हा॥ रा॥ वा॥ त्र॥ वा॥ म॥ त्र॥ रा॥ क॥ रा॥ भा॥ ह॥
 च॥ लु॥ मू॥ खी॥ ना॥ सा॥ च॥ का॥ वी॥ च॥ त्र॥ ला॥ च॥ ना॥ ॥ न॥ ता॥ इ॥ हा॥ हा॥ जू॥ मा॥ त्र॥ जू॥ हा॥ क॥ य॥ त्र॥ म॥ यि॥ या॥
 ती॥ च॥ लु॥ मू॥ खी॥ ना॥ म॥ जू॥ मी॥ ॥ ता॥ ॥ ह॥ यि॥ य॥ ग॥ इ॥ स॥ ल॥ ॥ ॥ सु॥ वा॥ ॥ ह॥ वि॥ शु॥ मा॥
 ली॥ जू॥ मा॥ त्र॥ व॥ च॥ न॥ सु॥ भा॥ ॥ वि॥ ॥ ह॥ सु॥ वा॥ इ॥ क॥ हा॥ ॥ ॥ सु॥ ॥ ॥ सु॥ वा॥ इ॥ सु॥ वा॥ इ॥
 लु॥ भ॥ व॥ क॥ हा॥ सि॥ ह॥ वि॥ कु॥ म॥ हा॥ स्वा॥ मी॥ ध॥ मी॥ त्र॥ ना॥ नि॥ हा॥ मा॥ ग॥ ना॥ ग॥ त्र॥ मा॥ हा॥ सु॥ हा॥ न॥ ता॥ इ॥ हा॥

३

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

१३३॥१॥

लामुख॥रिगि॥धामात्रैरुगतामीर्षी बुक्कादीकुरुमैरवीरैरुसयानसमाचरुं रुकु
 रैरवकात्रकै॥ ॥म॥रुयिययु॥अ॥का॥अमात्रवचनसुना॥ ॥विशि॥रुदेहवा
 ऊमेयआकाकत्रा॥ ॥म॥रु॥दानवाजीमहावीरा॥श्रीग्राहीमत्रवाम॥नय
 स्थातित्रातिही॥मयनामसमागत॥नुतादृशमहावीरदानवत्राऊमयदेहना
 मजुमी॥ ॥विशि॥रुदेहवा॥सल॥ ॥यु॥रु॥स्वामीदेहवाऊमयजुमात्रवच
 नअवधानकत्रा॥ ॥म॥रु॥यिययु॥कदा॥ ॥यु॥रु॥नवयादयदाभाऊ॥रुका
 रुंनववल्लभा॥नामायुधमनीसार्दे॥कामिनीगीतिगामनि॥नुतादृशीरुमात्र
 अहकयेनमयियात्रीयुधमतीनामजुमी॥ ॥म॥रु॥यु॥सल॥ ॥अ॥रु॥दे

१०

5

लत्राऊमयजुमात्रवचनसुना॥ ॥म॥रु॥अ॥कदा॥ ॥अ॥रु॥आगतामिम
 र्वोवीरा॥त्रियुदयीविनाशकधृमगधिनाऊरुल्लाईरुं॥नवसंवकनायक॥नु
 तादृशीरुमात्रयत्रमसंवकमहावीरअभिमुखनामजुमी॥ ॥म॥रु॥अ॥सल॥
 ॥ ॥का॥रु॥देहवा॥अ॥मात्रवचनसुना॥ ॥म॥रु॥का॥लामुखकदा॥ ॥का॥रु॥का
 लामुखमहावीरा॥वीरादीदयहात्रकधा॥कैकत्रावदीथाई॥नवसंवकनायक
 ॥नुतादृशीरुमात्रसंवकानायाकमहावीरकालामुखनामजुमी॥ ॥म॥रु॥का
 लामुखसल॥ ॥म॥रु॥यिययु॥अ॥का॥अथासताकत्रियाथाकिया॥ ॥यु॥अ॥का

0

CMS

5

10

15

20

25

श्रियै॥ ॥ म॥ ना॥ ॥ रुं शिवाय वरुमुनि उठिल मुनी सुखिला क॥ गंगदास उमुन
दास अमात्र वचन सुभा॥ ॥ सर्वेश॥ रुनात्र दमुनि राडा अरु कथा॥ ॥ ना॥ अजी
कदजिना॥ गंग अरु मोगा उठला अत्रा अ॥ ने मुमु माल ४ कस मय काल शिर
सी कृणाने रु॥ मभा रुना ४ या गानि वारु॥ कत्र नै क वारु॥ नुता दडी ४ धी मदा द
व ४ धी धी मदी रुं मली या या न व रु॥ ॥ सर्वेश॥ गथा रु॥ ॥ य॥ ॥ रुं मु वृनात्र दमु
नी अत्र अमात्र वचन अत्र वक्षन कथा॥ ॥ ना॥ ॥ रुं शिवाय वरु २ कदा॥ ॥ व॥ ॥ अ॥
जी वी द॥ या कला जी रा वा जी मृग य नि ग म नी व क्रमा न्या वे दो न्या धन्या या ला
ल कन्या १ सु व सु व न मि ना ला क मा न दि डा ना॥ या की उ नी रु स नी स रु य धु य निः

डिवा ०:७

72

नात्रुदवामारिनामा श्रीमच्छ्रीमदीन्दुयविकूलगिलर्कसायियायादयाया॥ या
 लोकासायिगुणनऊनी रुसनीसगि यशुयतिनासदकुठनी कीर्णकृवतीसा
 रवाली यत्रमध्वनी यविकूलगिलर्क सूर्यवर्धगिलर्क श्रीमदीन्दुमल्लनृयः
 यायातत्रकुठु॥ ॥सर्व॥तथा॥ ॥ना॥दक्षिणायवर्धकुठि सकलमृषिलोक
 गं यमे अमात्रवचनसूता॥ ॥सर्व॥दनात्र आकाश॥ ॥ना॥॥कथ्यत्रय
 जोरमानगु॥ सदाञ्जितहीकमलाकलगु॥ समोगत॥ यंकडयातियुगु॥ सतीत्रय
 दधनेयकुसुगु॥ अक्षिणायवर्धकुठि सकलमृषिलोक गं यं नतादृशः सूत्रकः

15

10

२२५ वि. ॥ १५॥

समय ३

नदीशिरीषकात्रसमयकलमश्चकैयुमातिमरुकात्रियायत्रमश्चत्रुकात्र
 राधनाकत्रिया॥ ॥वि.ता॥दुदेलरात्रुकात्र॥ ॥स्वर्कलादाखमदुदाधतयसा
 याक॥ ॥म॥दुवि.ता॥नखनगीषकात्रुदेलना॥नदीगीषकात्रसमययैसाश्रिमश्च
 अकियातयसाकत्रिया॥ ॥वि.ता॥दुदेलरात्रुकात्र॥ ॥स्वर्कलादाखमदुदाध
 तयसायाक॥ ॥म॥दुवि.ता॥नखनवर्षकात्रसमयदेलना॥नदीवर्षकात्रसमयजु
 निवृष्टिजलक्षराधत्रियाश्रुणाकात्रमश्चकियातयसाकत्रिया॥ ॥वि.ता॥दुदेल
 रात्रुकात्र॥ ॥दुवि.ता॥नखनवर्षकात्रसमयदेलना॥नदीवर्षकात्रसमयजु
 कककुकात्रद्विअश्रुनमानमम॥नमानममकमलासनाययुजायनदत्रनमान

७५

5

मम॥दुदेलरात्रुकात्रसमयकलमश्चकैयुमात्रयत्रमश्चत्रुकात्रियायत्रमश्चत्रुकात्र
 नयाद॥ ॥म॥दुवि.ता॥नखनवर्षकात्रसमयदेलना॥नदीवर्षकात्रसमयजु
 याजुमाकतयसाकैलायुमात्रतयसायुसावतममीवदसंरुदेलनाधन्यश्रुमीनख
 नकीवत्रमात्रिलासत्रमात्र॥ ॥म॥वि.ता॥दुदेलरात्रुकात्र॥ ॥स्वर्कलादाखमदुदाध
 तयसायाक॥ ॥म॥दुवि.ता॥नखनवर्षकात्रसमयदेलना॥नदीवर्षकात्रसमयजु
 निवृष्टिजलक्षराधत्रियाश्रुणाकात्रमश्चकियातयसाकत्रिया॥ ॥वि.ता॥दुदेल
 रात्रुकात्र॥ ॥दुवि.ता॥नखनवर्षकात्रसमयदेलना॥नदीवर्षकात्रसमयजु
 कककुकात्रद्विअश्रुनमानमम॥नमानममकमलासनाययुजायनदत्रनमान

0

CMS

5

10

15

20

25

सर्वलु. राजन. लारु. ॥ सुपूवकत्रिया ४

[illegible]

२३३६॥१६॥

70

मयज्जुआ॥ ॥म॥रुवि. ना. नदीसुवर्णमयनगरविषजमीसुखराज्ञागकत्रिया
थाकिया॥ ॥वि. ना. ॥रुदेखनाइज्जुआ॥ ॥म॥रुयियये. वि. ना. जू. का. सु. म. कु.
म. नमनेज्जुमीकामकारुद्धादियादवेवाझनयूडाकत्रियासात्तिकरावकत्रिया
दीअयूवसुवर्णवज्जम. लोरुनगरवैथियासुखराज्ञागकत्रियाथाकिया॥ ॥
सर्व॥रुदेखनाइज्जुआ॥ ॥यत्रिकयइकाय॥ ॥लु३॥ ॥यवैमहादेवः
यावैती. गीमी. नदी. रुझी. ईकवर्ण॥सिखि॥जुनाइकायदेवाय. चिदानन्द
स्वययिरु. गुणतीनायधुदाय. आनिद्वयायनमेश॥ ॥म॥रुयिययावैती. गी.
नदी. रु. गी. जूमात्रवचनमूना॥ ॥सर्व॥रुयत्रमज्वरणीमहादेवज्जुआकया॥ ॥

73

[illegible]

١٥